''आवाहन'' (उन्मुक्त उड़ान का)

मार्च, 2025

राजभाषा विभाग

महिला दिवस का आयोजन

हिंदी कार्यशाला

गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदय का संदेश

प्रिय साथियों,

आप सभी को 76वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

आज हम सभी यहां पर 76वॉं गणतंत्र दिवस मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। यह पर्व देश की प्रतिष्ठा और पराक्रम का प्रदर्शन करने वाला दिन है। भारत के लिए गणतंत्र दिवस केवल एक पर्व ही नहीं बल्कि गौरव और सम्मान की बात है। यह दिवस हर भारतीय का अभिमान है। आज ही के दिन यानि 26 जनवरी, 1950 को भारतीय संविधान लागू हुआ था जिसे डॉ. भीम राव अम्बेडकर ने बनाया था।

गणतंत्र दिवस स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले हर सेनानी के बलिदान और त्याग के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है। गणतंत्र दिवस हम सभी भारतीयों के अंदर उल्लास, हर्ष और नई सोच का संचार करता है।

एलाइंस एअर का उद्देश्य भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा शुरू की गई ''उड़ान'' उड़े देश का आम नागरिक और क्षेत्रीय सम्पर्क योजना (RCS) को प्रोत्साहित करना है। जिसका उद्देश्य देश के आम नागरिक को उड़ान भरने की सुविधा उपलब्ध कराना है तथा हवाई यात्रा को किफायती और व्यापक बनाना है जिसमें एलाइंस एअर अहम भूमिका निभा रहा है।

वतर्मान समय में एलाइंस एअर बहुत चुनौतियों का सामना कर रही है और इन चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें एकजुट होकर निरंतर परिश्रम कर, सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना होगा जिससे हमें अवश्य ही सफलता प्राप्त होगी ।

एलाइंस एअर को अभी हाल ही में डीजीसीए द्वारा CAT&II का अनुमोदन प्राप्त हुआ है इससे कम विजिविलिटी में भी विमान को सुरक्षित अवतरण किया जा सकता है। एलाइंस एअर को यह सफलता प्रचालन विभाग की तकनीकी टीम के अथक प्रयासों से प्राप्त हुई है।

यह बहुत गर्व का विषय है कि 21 नवंबर 2024 को भारत सरकार के नागर विमानन मंत्रालय के तहत भारतीय महिलाओं की उपलब्धियों के लिए गिविंग विंग्स टू ड्रीम्स अवार्ड 2024 का आयोजन किया गया जिसमें एलाइंस एअर की 5 प्रतिभाशाली महिला कर्मचारियों जिसमें कप्तान उर्मिला यादव–कमांडर, सुश्री शिल्पा भाटिया, कंपनी सचिव एवं सीईओ की कार्यपालक सहायक, सुश्री मनिंदर कौर, वरिष्ठ प्रबंधक, प्रचालन, सुश्री नजमा परवीन अधिकारी, सुरक्षा, सुश्री सास्वती देव कलिता, पर्यवेक्षक सुरक्षा को विमानन क्षेत्र में उनकी प्रतिभा और उपलब्ध्यिों के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए ।

प्रबंधन को पूर्ण विश्वास है कि आने वाले भविष्य में आप सभी उत्सुकता एवं जिज्ञासापूर्वक कंपनी में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करते रहेंगे एवं अथक प्रयासों से उन्मुक्त शिखर की दिशा में अग्रसर होते रहेंगे।

हम होंगे कामयाब हम होंगे कामयाब हम होंगे कामयाब

धन्यवाद जय हिंद! जय भारत!

(रामबाबू सी.)
मुख्य कार्यपालक अधिकारी

कार्मिक प्रधान एवं राजभाषा अधिकारी की कलम से

नमस्कार,

आदरणीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदय एवं उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 76वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं ।

आज हम सभी यहॉ पर देश के 76वें गणतंत्र दिवस को मनाने के लिए एकत्र हुए हैं। आज ही के दिन 26 जनवरी, 1950 को भारतीय संविधान लागू हुआ था। जो भारतीय इतिहास का स्वर्णिम दिन है। प्रत्येक भारतीय के लिए गणतंत्र दिवस एक पर्व ही नहीं बल्कि गौरव एवं सम्मान का दिन है। भारत एक लोकतांत्रिक और संवैधानिक राष्ट्र है। यह दिन हमें सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ने के लिए साहस, एकजुटता और प्रेरणा की मिसाल देता है। गणतंत्र दिवस हमें पूर्ण उत्साह, उमंग और जोश के साथ राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा का प्रण लेने के लिए प्रेरित करता है।

एलाइंस एअर एक विमानन कंपनी है और हमारा हमेशा प्रयास रहता है कि एलाइंस एअर में कार्यरत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विकास के समान अवसर उपलब्ध कराएं जाएं। जैसा कि विमानन क्षेत्र में रोज नई चुनौतियां सामने आती हैं, जिनका समाधान निकालने के लिए हमें हमेशा तत्पर रहना है। आशा है कि आप सभी का सहयोग बना रहेगा।

अंत में आप सभी को गणतंत्र दिवस की पुनः हार्दिक शुभकामनाएं।

जय हिंद!   जय भारत!

(विमल किशोर त्रिपाठी)
कार्मिक प्रधान एवं राजभाषा अधिकारी

राजभाषा संगोष्ठी

भाषा की सरलता, सहजता और शालीनता अभिव्यक्ति को सार्थकता प्रदान करती है। हिंदी ने इन पहलुओं को खुबसूरती से समाहित किया है।

— नरेन्द्र मोदी (प्रधान मंत्री)

दिनांक 25 मार्च, 2025 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम–2) दिल्ली के तत्वाधान में आईटीडीसी निगम मुख्यालय, दि अशोक होटल एवं सम्राट होटल द्वारा अशोका होटल में भारतीय वैदिक संस्कृति का राष्ट्रीय महत्व पर राजभाषा संगोष्ठी आयोजित की गई। इस संगोष्ठी में एलाइंस एअर, राजभाषा विभाग द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया। संगोष्ठी में विभिन्न वक्ताओं और अन्य उपक्रमों के अधिकारियों द्वारा भारतीय वैदिक संस्कृति का राष्ट्रीय महत्व पर अपने–अपने व्याख्यान दिए गए। सभी अधिकारियों ने इस संगोष्ठी का लाभ उठाया और आनंद प्राप्त किया

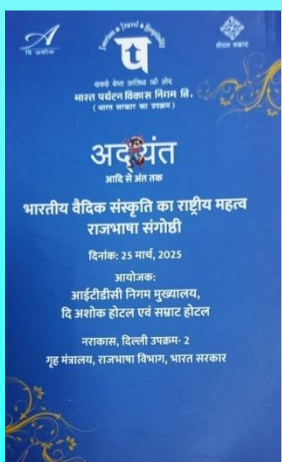

संक्षिप्त नोट/Short Notes

• स्वीकृत।	• Accepted.
• कृपया अनुमोदन/मंजूरी प्रदान करें।	• Accord approval/sanction to.
• स्वीकृति दी गई।	• Accorded permission.
• ऊपर "क" के अनुसार कार्रवाई की जाए।	• Action as at 'A' above.
• तदनुसार सूचित करें।	• Advise accordingly.
• कार्यसूची साथ भेजी जा रही है।	• Agenda is sent herewith.
• सभी संबंधित नोट करें।	• All concerned to note.
• अनुमोदन प्रदान किया जाए।	• Approval may be accorded.
• अनुमोदित।	• Approved.
• यथाप्रस्तावित अनुमोदित।	• Approved as proposed.
• बिल बकाया है।	• Bill is outstanding.
• कृपया बिल पर हस्ताक्षर कर दें।	• Bill for signature please.
• बिल पास कर दिए गए।	• Bill passed.
• बिल सत्यापित किया गया और उसे सही पाया।	• Bill verified and found correct.
• बजट व्यवस्था मौजूद है।	• Budget provision exists.
• गणना और दरों की जांच कर ली गई।	• Calculation and rates checked.
• जांच किया और सही पाया।	• checked and found correct.
• सभी संबंधित व्यक्तियों को सूचित करें।	• Inform all concerned.
• अनुमोदित किया जाए।	• May be approved.
• विचार किया जाए।	• May be considered.
• भुगतान के लिए पास किया जाए।	• May be passed for payment.
• कृपया मंजूरी दें।	• May kindly accord sanction.
• आवश्यक व्यवस्था मौजूद है।	• Necessary provision exists.
• आवश्यक कार्रवाई की जाए।	• Necessary action may be taken.
• रकम उपलब्ध नहीं है।	• No funds are available.
• कृपया सूचित करें।	• Please inform.
• भुगतान के लिए पास किया।	• Passed for payment.
• अनुमति दी गई।	• Permitted.
• कृपया चर्चा करें।	• Please discuss.
• कृपया बात करें।	• Please speak.

राजभाषा संबंधी निरीक्षण – मार्च, 2025

उड़ानगत सेवाएं विभाग

- विभाग में 02 वरि. प्रबंधक, 02 वरि. पर्यवेक्षक कार्यरत हैं, सभी को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है।
- विभाग में कुल 04 कम्प्यूटर प्रयोग में लाए जा रहे हैं। सभी कम्प्यूटरों पर हिंदी फोन्ट उपलब्ध है।
- विभाग में प्रयोग में लाई जाने वाली रबड़ की मोहरें, रजिस्टरों/फाइलों के शीर्षक द्विभाषी हैं तथा रजिस्टरों में द्विभाषी प्रविष्टियां की जाती हैं।
- दैनिक उपस्थिति रजिस्टर द्विभाषी बनाया गया है जिसमें सभी कर्मचारियों द्वारा हस्ताक्षर हिंदी में किए जाते हैं।
- कार्मिक विभाग को कर्मचारियों/केबिन क्रू एवं यूटीलिटी हैंड का उपस्थिति विवरण हिंदी में भेजा जाता है।
- विभाग में राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जाता है तथा हिंदी पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाता है।
- विभाग द्वारा तिमाही प्रगति रिपोर्ट समय पर भेजी जाती है।
- प्रेषण रजिस्टर में हिंदी के पत्रों की हिंदी में और अंग्रेजी के पत्रों की अंग्रेजी में प्रविष्टियां की जाती हैं।
- गेट पास, भण्डार विभाग में भेजा जाने वाला आपूर्ति मांग पत्र द्विभाषी भरकर भेजा जाता है।
- केबिन कर्मियों के व्यक्तिगत और प्रशिक्षण फाईल अलग–अलग क्षेत्रवार बनाए गए हैं। जिनके शीर्षक द्विभाषी हैं जो सराहनीय है।
- केबिन अटेंडेंड उपयोगिता रिपोर्ट कॉम्पिटन्सी कार्ड द्विभाषी बनाए गए हैं।
- क्यूआरएस–72 मैनुअल/एयरपोर्ट स्टैण्ड बाई रिपोर्ट द्विभाषी बनाया गया है।
- खान–पान भत्ता संबंधी पत्र द्विभाषी बनाया गया है।
- विमान परिचारिकाओं को प्रशिक्षण द्विभाषी रुप में दिया जाता है।
- विभाग द्वारा नियमित रूप से एलाइंस एअर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में भाग लिया जाता है।
- विभाग द्वारा हिंदी पखवाड़े के अवसर पर आयोजित किए जाने वाली प्रतियोगिताओं में प्रतिनिधित्व किया जाता है।
- प्रसूति अवकाश पर जाने व वापिस कार्यभार ग्रहण की रिपोर्ट हिंदी में दी जाती है तथा असाधारण छुट्टी के निवेदन का उत्तर भी हिंदी में दिया जाता है।
- वित्त विभाग में भुगतान के लिए अधिकाश बिल हिंदी में ही भेजे जाते हैं।
- विभाग में नियमित रुप से प्रयोग होने वाले मानक मसौदे हिंदी/द्विभाषी इस्तेमाल किए जा रहे हैं।
- फोका सर्विलांस रिपोर्ट संबंधी ब्यौरा डीजीसीए को द्विभाषी भेजा जाता है।

*****

तकनीकी प्रशिक्षण विभाग

- तकनीकी प्रशिक्षण विभाग में इस समय 01 स्थल अनुदेशक प्रमुख, 04 स्थल अनुदेशक, 01 सहायक इंजीनियर कार्यरत हैं। सभी को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है।
- कार्यालय में 07 पीसी एवं 03 लैपटॉप हैं। सभी पीसी पर हिंदी में कार्य करने की सुविधा उपलब्ध है।
- विभाग में प्रयोग में लाई जाने वाली रबड़ की मोहरें, रजिस्टरों/फाइलों के शीर्षक द्विभाषी हैं तथा रजिस्टरों में द्विभाषी प्रविष्टियां की जाती हैं।
- कार्मिक विभाग को अधिकारियों/कर्मचारियों एवं यूटिलिटी हैंड का प्रतिमाह भेजे जाने वाला उपस्थिति विवरण द्विभाषी भेजा जाता है।
- तकनीकी प्रशिक्षण विभाग में यद्यपि अधिकतर कार्य तकनीकी प्रकृति का होता है तथापि विभाग द्वारा प्रशासनिक प्रकृति से संबंधित कार्यों को हिंदी में किया जा रहा है जो कि सराहनीय है।
- प्रेषण रजिस्टर में अंग्रेजी पत्रों की प्रविष्टियां अंग्रेजी में एवं हिंदी पत्रों की प्रविष्टियां हिंदी में की जा रही हैं।
- प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण (first aid training) उपस्थिति विवरण द्विभाषी बनाया जाता है।
- पायलटों के प्रमाण–पत्र के संदर्भ संख्या, रजिस्टरों के शीर्ष द्विभाषी लिखे गए हैं।
- तकनीकी विभाग में विविध प्रकार के एटीआरपी कोर्स की उपस्थिति विवरण को द्विभाषी भेजा जाता है।
- फायर ड्रिल के लिए भेजे जाने वाले पत्र द्विभाषी भेजे जाते हैं।
- विभाग द्वारा राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित किए जाने का आश्वासन दिया गया है।
- विभाग द्वारा भण्डार विभाग को भेजे जाने वाला आपूर्ति मांग पत्र हिंदी में भेजे जाने का आश्वासन दिया गया है।

*****

हिंदी कार्यशाला – मार्च, 2025

दिनांक 21 मार्च, 2025 को एलाइंस एअर, राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी जानने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 09 अधिकारियों जिनमें सर्वश्री गौरव कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक, सूचना प्रौद्योगिकी श्री पंकज कुमार, उप प्रबंधक, सूचना प्रौद्योगिकी, श्री अरूण पटवाल, अधिकारी, ओसीसी, श्री सुशांत नाथ अधिकारी, ओसीसी, श्री सुमित, अधिकारी, वाणिज्य, सुश्री अंजू सेटट्री, सहायक प्रबंधक, विपणन, सुश्री प्रीति नेगी, अधिकारी, विपणन, श्री दीक्षित कुमार, सहायक प्रबंधक, कार्गो ने भाग लिया।

कार्यशाला में अधिकारियों को कार्यालयीन कार्य में रोजमर्रा उपयोग में आने वाले सरल और सहज हिंदी शब्दों का प्रयोग कर राजभाषा कार्यान्वयन एवं राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार राजभाषा के प्रति अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करने को कहा गया।

हिंदी कार्यशाला में अधिकारियों को हिंदी की तिमाही प्रगति रिपोर्ट के आंकड़े भरने एवं दैनिक कार्यों में हिंदी की छोटी–छोटी टिप्पणियां, नोटिंग ड्राफ्टिंग, रजिस्टरों, फाइलों आदि के नाम द्विभाषी लिखे जाने को बताया गया।

कार्यशाला में विभिन्न विभागों में कार्यरत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी यूनिकोड की उपयोगिता व यूनिकोड में हिंदी टंकण के प्रशिक्षण के साथ–साथ हिंदी में नोटिंग, विभागों के नाम, पदनाम आदि लिखने का अभ्यास कराया गया, जिसे कार्यशाला में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने रूचिकर बताया।

राजभाषा विभाग
एलाइंस एअर

महिला दिवस का आयोजन

एलाइंस एअर, मुख्यालय में 11 मार्च, 2025 को अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। आयोजन बहुत ही सुनियोजित व उत्साहपूर्वक किया गया। महिला दिवस के आयोजन पर सुश्री अदिती धामी, वरि. प्रबंधक, प्रचालन एवं सुश्री पूजा सूरी, वरि. केबिन क्रू द्वारा मंच संचालन करते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसडब्ल्यूईडीडब्ल्यूडी की कार्यकारिणी सदस्य सम्माननीया श्रीमती शोभना शाह उपस्थित रहीं। वरि. अधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत स्मृति चिह्म के साथ किया गया।

इस अवसर पर एलाइंस भवन को सुरुचिपूर्ण ढ़ग से सजाया गया। सर्वप्रथम मुख्य कार्यपालक अधिकारी, एएएल, कार्मिक प्रधान, कम्पनी सचिव व मुख्य अतिथि व अन्य अधिकारियों द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित किया गया। तत्पश्चात गणेश स्तुति करते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की गई।

इस अवसर पर महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा देश के भिन्न–भिन्न राज्यों के नृत्य, गीत व सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ–साथ विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के प्रतिष्ठित पदों पर कार्य करने व अपने अधिकारों और कर्तव्यों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का सभी ने लुफ्त उठाया।

अपने उद्बोधन में मुख्य कार्यपालक अधिकारी जी ने सभी महिलाओं को महिला दिवस की बधाई दी व उनकी प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया तथा उनके सुनहरे भविष्य के लिए मिलकर कार्य करने का आवाहन किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा सभी महिला कर्मचारियों को महिला दिवस और उनके प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए बहुत–बहुत बधाई दी। मुख्य अतिथि इस कार्यक्रम के समापन तक एलाइंस एअर के समस्त महिला अधिकारियों/कर्मचारियों के बीच उपस्थिति रही जो अपने आप में एक मिसाल थी।

इस अवसर पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कार्यक्रम की बहुत प्रशंसा की गई।

माता सीता और राजा दशरथ की कहानी का एक महत्वपूर्ण प्रसंग

माता सीता भस्म कर सकती थी रावण को लेकिन क्यों नहीं किया?

माता सीता को साक्षात लक्ष्मी माना जाता है। वे श्रीराम की ही तरह शक्तिशाली थी। वह चाहती तो उसी वक्त रावण को भस्म कर देती जब वह उन्हें हरण करने आया था। लेकिन माता सीता ने ऐसा क्यों नहीं किया जबकि वह स्वंय आत्मरक्षा में सक्षम थी।

खीर कथाः मान्यता के अनुसार कहते हैं कि जब माता सीता ससुराल आयी तो उन्होंने सबसे पहले ऋषि–मुनियों और परिवारजनों के लिए खीर बनाई और राजा दशरथ सहित सभी को परोसी। जब वह खीर परोस रही थी तब उसी समय हवा का तेज झोंका चला आया और सभी ने अपनी–अपनी पत्तल संभाली, लेकिन उसी दौरान राजा दशरथ की खीर में एक छोटा सा तिनका चला गया और माता सीता ने उस तिनके को देख लिया पंरतु सबके सामने खीर से तिनका कैसे निकाले, माता सीता इस दुविधा में थी। तभी सीता जी ने तिनके को दूर से घूरा और मां सीता की दृष्टि से वह तिनका पुनः उड़ा और हवा में ही राख बन गया। सीता जी को लगा उनका यह चमत्कार किसी ने नहीं देखा है पंरतु राजा दशरथ ने यह सब देख लिया था और वह यह समझ गए थे कि सीता कोई साधारण स्त्री नहीं है, बल्कि जगत–जननी है। उनके इस चमत्कार को देखकर राजा दशरथ भी डर गए थे। खीर खाने के बाद राजा दशरथ अपने कक्ष में चले गए और बाद में उन्होंने सीता जी को अपने कक्ष में बुलाया और कहा कि आपका चमत्कार मैंने देख लिया है और मैं समझ गया हूं कि आप कोई साधारण स्त्री नहीं है । इसलिए आप आज मुझे एक वचन दीजिए कि जिस दृष्टि से आपने उस तिनके को देखा है उस दृष्टि से आप कभी किसी और को नहीं देखेंगी। इस बात को सुनकर माता सीता ने दशरथ जी को वचन दिया कि मैं कभी किसी को भी इस दृष्टि से नहीं देखूंगी। इसलिए जब रावण ने माता सीता का हरण किया तो माता सीता चाहते हुए भी रावण को भस्म नहीं कर पाई क्योंकि वह राजा दशरथ को दिए वचन से बंधी हुई थी। इसलिए कह सकते है कि एक तिनके ने रावण को बचा लिया।

*****

राजभाषा हिंदी के विषय में कुछ रोचक तथ्य

- हिंदी शब्द की उत्पत्ति फारसी भाषा से हुई है। यह शब्द "हिंद" से निकला है, जो सिंधु नदी के क्षेत्र को संदर्भित करता था। हिंदी, संस्कृत से विकसित हुई है और इसे देवनागरी लिपि में लिखा जाता है। 14 सितंबर, 1949 को भारतीय संविधान सभा द्वारा हिंदी को राजभाषा के रूप में अपनाया गया। हिंदी, दुनिया में चौथी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है।
- **हिंदी दिवस** – 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।
- **हिंदी का वैश्विक प्रभाव** – हिंदी न केवल भारत में, बल्कि फिजी, सूरीनाम, गुयाना, मॉरीशस और त्रिनिदाद जैसे देशों में भी एक आधिकारिक या क्षेत्रीय भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त है। आज हिंदी व्यापार, शिक्षा, साहित्य और मनोरंजन सहित विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ते हुए दुनिया भर में लोकप्रिय हो रही है।
- **हिंदी का साहित्यिक महत्व** – हिंदी साहित्य का एक समृद्ध इतिहास है, जिसमें कई प्रसिद्ध कवि और लेखक हुए हैं, जैसे कि अमीर खुसरो और लल्लू लाल।
- **हिंदी का तकनीकी उपयोग** – हिंदी, वेब एड्रेस बनाने के लिए उपयोग की जाने वाली सात भाषाओं में से एक है।
- **हिंदी का व्याकरणिक पहलू** – हिंदी में संज्ञाओं में लिंग भेद होता है (पुल्लिंग या स्त्रीलिंग) और यह विशेषणों और क्रियाओं को भी प्रभावित करता है।
- **हिंदी का लचीलापन** – कई हिंदी शब्द, जैसे अवतार, गुरु और जंगल अंग्रेजी भाषा में भी उपयोग किए जाते हैं।
- **हिंदी भाषा का भविष्य** – हिंदी, भारत और विश्व भर में एक महत्वपूर्ण भाषा बनी हुई है और इसका उपयोग लगातार बढ़ रहा है।

*****

1 रुपये के सिक्के पर अंगूठा क्यों होता है?

- 1 रुपये के सिक्के पर अंगूठे का निशान भारतीय नृत्य मुद्रा, विशेष रूप से भरतनाट्यम से लिया गया है और इसे **नृत्य मुद्रा श्रृंखला** कहा जाता है। यह डिजाइन देखने में असमर्थ लोगों के लिए है ताकि वे स्पर्श करके पता कर सकें कि सिक्का एक रुपये का है या नहीं।
- **नृत्य मुद्रा** – 2007 में भारतीय रिजर्व बैंक ने 1 रुपये के सिक्के पर अंगूठे के निशान के साथ एक नई श्रृंखला जारी की थी, जिसे **नृत्य मुद्रा** श्रृंखला कहा जाता है।
- **भरतनाट्यम से प्रेरित** – ये निशान भरतनाट्यम नृत्य में विभिन्न मुद्राओं को दर्शाते हैं, जिसमें अंगूठे को ऊपर की ओर रखते हुए एक मुट्ठी शामिल है।
- **विभिन्नताओं को दर्शाने के लिए** – एक रुपये के सिक्के पर अंगूठा और दो रुपये के सिक्के पर दो उंगलियों का निशान, भारतीय मुद्रा में सिक्कों की विभिन्नताओं को दर्शाने का एक प्रयास था।
- **देखने में असमर्थ लोगों के लिए** – यह डिजाइन विशेष रूप से उन लोगों के लिए है जो देख नहीं सकते, ताकि वे सिक्कों को छूकर आसानी से पहचान सकें।
- **नय और आधुनिक डिजाइन** – यह मुद्रा श्रृंखला न केवल सौंदर्यबोधक है, बल्कि सिक्कों के उत्पादन को आधुनिक बनाने की दिशा में एक कदम है।
- **उत्पादन में वृद्धि** – इसके अतिरिक्त इस श्रृंखला को जारी करने का उद्देश्य भारत में सिक्कों के उत्पादन को बढ़ाना भी था।

*****

''समर्पण के साथ किया गया हर कार्य सफल होता है।''

कृपया अपनी प्रतिक्रिया से अवश्य अवगत कराएं। प्रस्तुतिकरण :

विनोद चन्द्र सनवाल
कमला मेहरा
रचना पुण्डीर

राजभाषा विभाग, एलाइंस एअर, मुख्यालय

सम्पर्क : 011–25674178
ई मेल : **rajbhasha@allianceair.in**